कार्यक्रमों के लिए प्रोडक्शन स्टाफ का पर्याप्त संख्या में न होना

10828. श्री सचीन्द्र लाल सिंहा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रोडक्शन स्टाफ (जैसे केमरामैन, प्रोड्यूसर और ट्रालीमैन) के पर्याप्त संख्या में न होने के परिणामस्वरूप कार्यक्रमों की किस्म और मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके विचारार्थ प्रशासनिक कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि की गई है ;

(ग) क्या प्रोडक्शन स्टाफ में वृद्धि करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या ट्रांसमीशन की अवधि में कमी की जायेगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) प्रोडक्शन स्टाफ की कमी से दूरदर्शन कार्यक्रमों की किस्म और मात्रा पर प्रभाव पड़ता है किन्तु इस कठिनाई के बावजूद स्तरों को बनाए रखने का निरन्तर प्रयास किया जाता है।

(ख) केन्द्रों में प्रशासनिक कार्यों को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक स्टाफ दिया जा रहा है ।

(ग) जी, हां । कर्मचारी निरीक्षण एकक की सिफारिशों के परिणामस्वरूप कुल मिला कर प्रोडक्शन स्टाफ की संख्या में वृद्धि होगी ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

Talks between Ministers of Petroleum of India and UAE

10829. SHRIMATI MOHSINA KIDWAI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether some talks were held between him and the Petroleum Minister of UAE for mutual cooperation to help each other in various fields; and

(b) if so, the nature of the talks held and the net outcome thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Yes, Sir.

(b) In the course of discussions with the UAE Minister of Petroleum and Mineral Resources various proposals for economic collaboration, including fertilizers and drugs and pharmaceuticals, were considered. A decision on these matters will be taken on completion of techno-economic studies which are in progress.

दूरदर्शन के नैमित्तिक कैमरामैनों को अतिरिक्त वार्षिक वेतन वृद्धियां दिया जाना

10830. श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या निदेशालय द्वारा 1977 में आयोजित साक्षात्कारों और चयन के आधार पर दूरदर्शन में मार्च, 1979 में नियुक्त किये गये नैमित्तिक कैमरामैनों को उनको नियुक्ति देने में विलम्ब के कारण हुई हानि की क्षतिपूर्ति के रूप में तथा इस तथ्य को देखते हुए कि 1977 में हुए उस साक्षात्कार के आधार पर तैयार की गई सूची में सम्मिलित कमरामैनों को 1978 में नियुक्त कर लिया गया था, एक अथवा दो अतिरिक्त वार्षिक वृद्धियां देने का है, और

(ख) यदि नही तो उसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) एक कर्मचारी अपनी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की सेवा (और कुछ मामलों मे दो वर्ष) पूरी करने के बाद निर्धारित वेतनमान में अपनी वेतन वृद्धि प्राप्त करता है। नियुक्ति में देरी की पूर्ति के लिए अतिरिक्त वेतन वृद्धियां देने का प्रश्न नही उठता ।

डी० डी० टी० की मांग

10831. श्री सुरेन्द्र झा सुमन : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में डी० डी० टी० की कितनी मांग है और डी० डी० टी० का कितनी मात्रा में उत्पादन होता है ;

(ख) यदि कोई कमी है तो क्या उस कमी को पूरा करने के लिए कुछ और कारखाने स्थापित करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो राज्यवार उन स्थानों के नाम क्या है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 1979–80 के दौरान कृषि और स्वास्थ्य कार्य क्रमों दोनों के लिए डी० डी० टी